इज़ दिस ऑवर सिटी:
मैपिंग सेफ़्टी फ़ॉर विमेन इन देहली

प्रकाशक : जागोरी
भाषा : अंग्रेज़ी
पृष्ठ : 47
मूल्य : 300/-

राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारी में जुटी दिल्ली 2010 तक शायद एक 'ग्लोबलाइज़्ड सिटी' बन जाए पर इस शहर के कुछ मूल कारकों में परिवर्तन आएगा इसका विश्वास करना मुश्किल हो रहा है। पूरे भारतवर्ष के तमाम बड़े शहरों में दिल्ली को भारत का 'सबसे असुरक्षित शहर' होने का दर्जा हासिल है। एनसीआरबी 2005 के आंकड़ों के अनुसार देश भर में रिपोर्ट किए गये बलात्कार के एक तिहाई मामले तथा यौन हिंसा के एक चौथाई अपराध दिल्ली में हुए थे। हिंसा के इन्हीं आंकड़ों को देखते हुए *जागोरी, महिला प्रशिक्षण संस्था ने सुरक्षित दिल्ली अभियान* शुरू किया था।

यह अभियान इस सोच के ईदगिर्द बुना गया है कि सार्वजनिक स्थलों की सुरक्षा उस स्थल का उपयोग करने वालों की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। इसके लिए आवश्यक है कि महिलाओं को "कमज़ोर" न मानकर उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में काम किया जाए। हिंसा से निटपने का आत्मविश्वास महिलाओं के लिए बेहद ज़रूरी है और इसमें पुलिस व कानून कार्यान्वयन संस्थानों को भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करनी होगी। इस शहर के सभी नागरिकों का भी यह दायित्व है कि वे शहर को महिलाओं के लिए सुरक्षित बनाने में सहायता करें।

सुरक्षित दिल्ली अभियान के मुख्य तीन उद्देश्य हैं:

1. सार्वजनिक स्थलों में हिंसा व उत्पीड़न के मुद्दे को उजागर करके इसे एक 'गंभीर अपराध' का दर्जा दिलाना।
2. सुरक्षा के अभाव व हिंसा को महिला संबंधी मुद्दा न मानते हुए इसे शहरीकरण, शहर की बदलती संस्कृति का मानक तथा महिला अधिकारों के हनन के रूप में रेखांकित करना।
3. सार्वजनिक सुरक्षा के मुद्दे को विभिन्न नागरिक समूहों की मदद से पहचानना व सम्बोधित करना।

इस अभियान का एक अहम हिस्सा सेफ़्टी ऑडिट या सुरक्षा जांच है। दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों, बाज़ारों, रिहाइशी कॉलोनियों में की गई इस सुरक्षा जांच में उन कारणों को चिन्हित करने की कोशिश की गई है जो उस इलाकों को असुरक्षित या सुरक्षित बनाने में मदद करते हैं।

सुरक्षा जांच की यह प्रक्रिया सहभागी और आसान है जिसमें महिलाओं का एक समूह एक इलाके में घूमकर वहां मौजूद महिलाओं के साथ बातचीत करता है। अधिकांश सुरक्षा जांच शाम के समय की जाती हैं और इसमें तीन चार घंटे लगते हैं। दिल्ली में ये जांच बीस इलाकों- साउथ

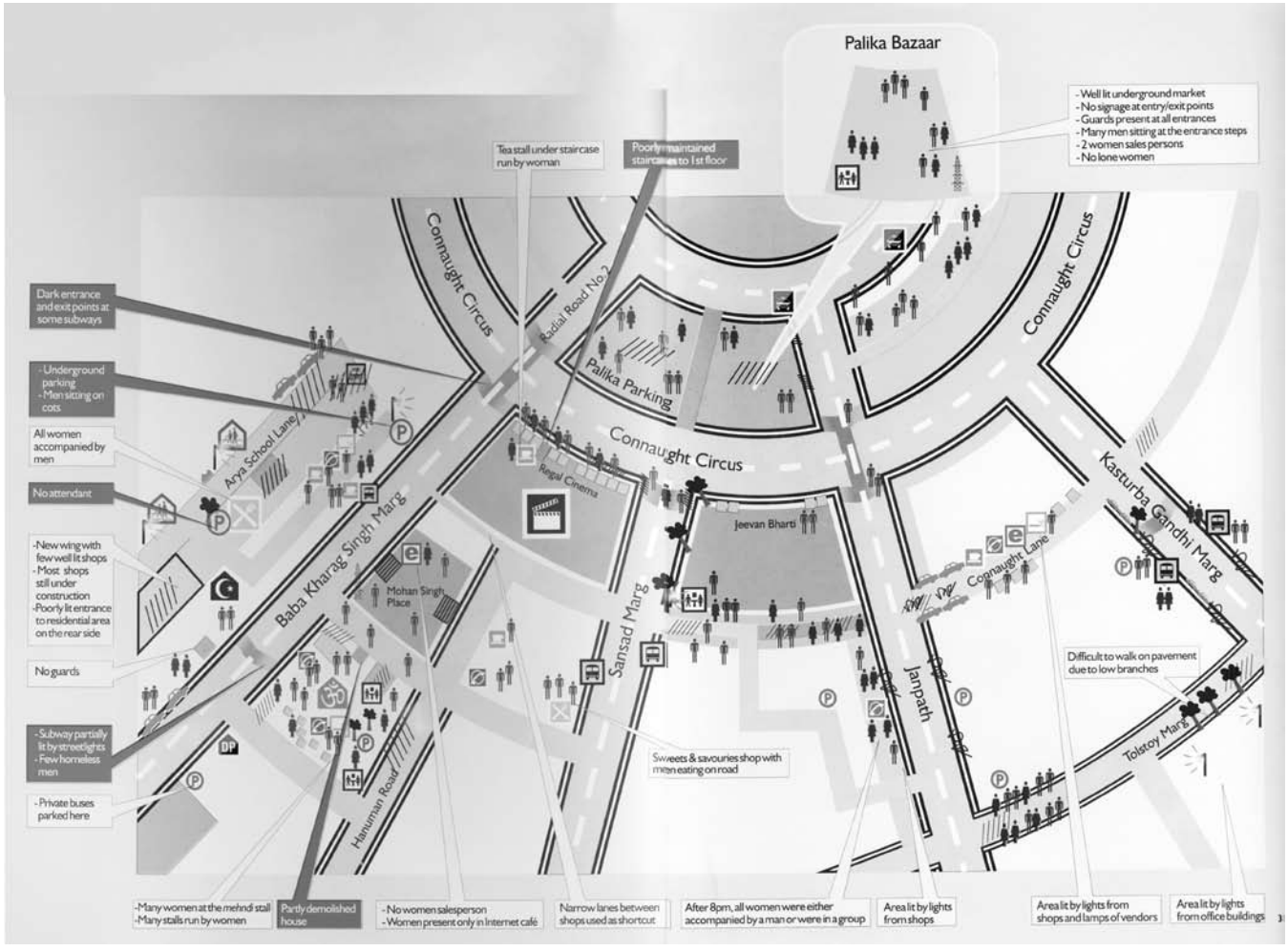

इण्डिया गेट क्षेत्र में की गई सुरक्षा जांच का नक्शा

एक्टेंशन-1, साकेत, सरिता विहार, बसंत कुंज, मयूर विहार, पश्चिम विहार, पटपड़गंज, पश्चिम पुरी, निज़ामुद्दीन, दिल्ली विश्वविद्यालय, कनॉट प्लेस, नेहरू प्लेस, सुंदर नगरी, कल्याणपुरी, मदनपुर खादर, बवाना, नई दिल्ली स्टेशन, इंडिया गेट, पीवीआर कॉम्प्लेक्स, व मायापुरी फ़ेज़-1 में की गई।

इन सुरक्षा जांचों में मुख्य रूप से औरतों की असुरक्षा के लिए ज़िम्मेदार कारण रोशनी की अभाव, उजाड़ व अधियारे बस स्टॉप, स्ट्रीट लाइटों की कमी सार्वजनिक महिला शौचालयों की दयनीय हालत, वीरान टूटी-फूटी बिल्डिंग पहचाने गये। यह भी पाया गया कि बाज़ार में ठेले-दुकानों और भीड़ की मौजूदगी पुलिस व सिक्योरिटी गार्डों का तैनात होना इलाकों को सुरक्षित बनाता है।

इज़ दिस ऑवर सिटी: मैपिंग सेफ़्टी फ़ॉर विमेन इन देहली नाम की इस रिपोर्ट में *जागोरी* के *सुरक्षित दिल्ली अभियान* तथा सुरक्षा जांच से जुड़ी जानकारी प्रस्तुत की गई है। इस दस्तावेज़ में दिल्ली के प्रमुख बीस इलाकों की सुरक्षा जांच का विश्लेषण व नक्शे भी प्रस्तुत किये गये हैं। इस रिपोर्ट की मदद से आप अपने इलाके में महिलाओं की सुरक्षा के लिए सुरक्षा जांच की शुरूआत कर सकते हैं। सुरक्षा जांच के लिए महत्वपूर्ण प्राथमिक कदमों तथा जांच की प्रक्रिया का भी इस रिपोर्ट में विस्तृत प्रस्तुतिकरण है जो आपके काम के लिए उपयोगी रहेगा। इस रिपोर्ट का शोधकर्त्ताओं, विद्यार्थियों तथा महिलाओं की सुरक्षा से सरोकार रखने वाले समूहों के लिए विशेष महत्व है।

— जुही जैन